# नवकार महामंत्र

नमो अरिहंताणं
नमो सिद्धाणं
नमो आयरियाणं
नमो उवज्झायाणं
नमो लोए सव्व साहूणं
एसो पंच नमुक्कारो
सव्व पावप्पणासणो
मंगलाणं च सव्वेसिं
पढमं हवइ मंगलं ।।२।।

## ''कुछ झलकियां''

जैन डांडीयोत्सव

जल सेवा ट्रैफिक कर्मीयों के लिये

अनाथ आश्रम के बच्चों के साथ

जल सेवा ट्रैफिक कर्मीयों के लिये

खिचड़ी वितरण

गुरू महाराज प्रवेश

महावीर जन्मकल्याणक पर प्रभु प्रसाद

अनाथ आश्रम के बच्चों के साथ

- प्रत्येक वर्ष स्वेच्छया रक्तदान एवं नेत्रदान शिविर का आयोजन ।
- असमर्थ विद्यार्थियों को शिक्षा शुल्क, पाठ्य-पुस्तकें व अन्य पाठ्य-सामग्री उपलब्ध कराना ।
- यथा सम्भव चिकित्सालयों, अनाथाश्रमों एवं वृद्धाश्रमों में सेवा कार्य ।
- प्रत्येक माह २-३ साधर्मिक परिवारों को गुप्तरूपेण, खाद्य-सामग्री प्रदान करना । (यह कार्य संस्था के सदस्यों से प्राप्त अनुदान से किया जाता है)
- आर्थिक रूप से मर्माहत परिवारों को सहयोग ।
- सामाजिक एवं धार्मिक उत्सव-महोत्सव-पर्वो पर शीतल जल, चाय-नाश्ता द्वारा सेवा कार्य ।
- जरूरतमन्द रोगियों को आधे मुल्यों पर दवाईयाँ उपलब्ध करवाना ।
- आधे मुल्यों पर शारीरिक जाँच, रक्त-परीक्षण एवं डायलिसीस आदि करवाना ।
- जरूरतमन्द माताओं, बहनों, विधवाओं को जीविका चलाने हेतू सिलाई मशीन आदि उपलब्ध करवाना ।
- महावीर जन्म कल्याणक पर प्रत्येक वर्ष प्रभु प्रसाद ।
- शीतकाल में जरूरतमंदो में कम्बल आदि वितरण ।
- कृत्रिम अंग निःशुल्क प्रदान करवाना ।
- आपातकालीन विपदाओं में सेवा कार्य ।
- सामहिक तीर्थ दुर्शन ।
- निःशुल्क योग शिविर आयोजन ।
- अन्ततः आपके अमूल्य सुझाव एवं मार्गदर्शन के अभिलाषी ।

## ''संस्था का निश्चित कार्यानुशासन''

- समर्पित कार्यकर्ता ।
- समयबद्ध कार्यक्रम ।
- अर्थ की निश्चितता ।
- कार्यकर्ताओं में तालमेल ।
- हिसाब की समुचित व्यवस्था ।

सबको प्यार SAVJSM सबकी सेवा

स्थापित : वि. सं० २०५८

## मेरी आरज़ू

हे प्राणनाथ ! इतनी तो आरज़ू स्वीकारो ।
प्रत्येक जन्म में तेरे चरण युगल को प्राप्त करके
तेरी शरण में मेरा स्थान बना लूं, बस यही एक
प्रार्थना !

प्रत्येक जन्म में तेरी आज्ञा का पालन करके
कर्म रूपी कांटे को निकाल सकूं, बस यही एक
अभ्यर्थना !

प्रत्येक जन्म में तेरे शासन को प्राप्त करके
मोक्ष में आसन जमा लूं, बस यही एक
भावना !

प्रत्येक जन्म में तेरे दर्शन को प्राप्त करके
मेरी आत्मा का दर्शन कर सकूं बस ! बस यही एक
आरज़ू

# Shree Atma Vallabh Jain Seva Mandal

## KOLKATA

## MEMBERS LIST

| | | |
|---|---|---|
| **President** | : | Apurva Bothra |
| **1st Vice President** | : | Dilip Dugar |
| **2nd Vice President** | : | Sumit Kothari |
| **Secretary** | : | Ashish Kochar |
| **Jt. Secretary** | : | Aklesh Sipany |
| **Treasurer** | : | Rahul Bothra |
| **Jt. Treasurer** | : | Anand Bengani |
| **Advisory Committee** | : | Ashok Banthia |
| | | Amit Kochar |
| | | Sreyans Munot |
| **Executive Members** | : | Suresh Rakechha (Pankaj) |
| | | Manoj Golchha |
| | | Manish Bothra |
| | | Sunil Golchha |
| | | Pankaj Baid |
| | | Aditya Kochar |
| | | Rishab Daga |
| | | Jai Banthia |

**Members :**

| | | |
|---|---|---|
| Aditya Bothra | Adish Kochar | Atul Kochar |
| Ajay Sipani | Harsh Jain | Hemant Baid |
| Jinendra Sawansukha | Mahendra Surana | Manish Dhariwal |
| Mayur Begani | Milap Dugar | Naveen Kothari |
| Neeraj Sirohia | Nitin Lunia | Praveen Baid |
| Punit Daga | Raj Kr Kochar | Rishabh Jain |
| Ritesh Rampuria | Siddharth Bengani | Sparsh Kochar |
| Sourav Bengani | Subham Bothra | Sudesh Kochar |
| Sushil Begani | Tarun Lunia | Tanay Bothra |
| Vikash Banthia | Vijay Kochar | Vishal Sipany |
| Vivek Sawansukha | | |

# ''श्री आत्म वल्लभ जैन सेवा मंडल''

### सेवा के क्षेत्र में समर्पित

## ''लघु से विराट की ओर''

## ''एक परिचय''

शक्ति की पूजा करना - ''श्रेष्ठ'' कार्य है ।
निज को शक्तिवान बनाना - ''श्रेष्ठतर'' कार्य हैं,
शक्तिवान बनकर, निःशक्त को शक्तिप्रदान करना - ''श्रेष्ठतम'' कार्य है ।

किसी एक युवक के हृदय में उपरोक्त भाव-उर्जा तरंगित हुई । उस भाव-ऊर्जा ने दूसरे युवक-हृदय को स्पर्श किया, दुसरे से तीसरे और फिर चौथे का क्रम चलता रहा, कई तरूण संस्पर्शित होते गये और एक अभिनव काँरवा बनता गया........युवक एकत्र हुए, संगठित हुए, भावों से उत्पन्न विचारों का आदान-प्रदान हुआ, निष्कर्ष में निम्न पक्तियाँ उभर कर आयी -

दुःख तेरा हो, या दुःख मेरा हो,
दुःख की परिभाषा एक है ।
आँसू तेरे हो, या आंसू मेरे हो,
आँसुओं की भाषा एक है ।

युवकों ने निर्णय लिया-हम अपने पारिवारिक एवं व्यवसायिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए, शेष बचे समय-श्रम-धन को यथासम्भव जनकल्याण के कार्यों में संलग्न करेंगे । समवेत स्वरों से युवकों ने निर्णय लिया, संगठन का जन्म हुआ । इस काँरवा का नामकरण संस्कार हुआ-

''श्री आत्म वल्लभ जैन सेवा मंडल''

शान्तिदूत आचार्यप्रवर,''श्रीमद् विजय नित्यानंद सूरिश्वर जी म.सा.'' ने आर्शीवाद के स्वर-प्रदान किये - स्वहित साधते हुऐं, लोकहित में संलग्न होना - ''श्रेष्ठतम तप'' है । आचार्यप्रवर ने प्रेरणा के प्राण प्रदान किये । संस्था के ''सेवा-सफर'' का शुभारम्भ हुआ । अपने लघु कदमों से हम सन्मार्ग में चल पड़े । जन-मन का सहयोग प्राप्त हुआ, हमारा उत्साहवर्धन हुआ । तरूणों का जुड़ना चलता रहा, फलस्वरूप लघु से विराट की ओर कदम अग्रसर करने का साहस संचारित हुआ । दो दशक से हमारे द्वारा संचालित जनकल्याणमय कार्यक्रम इस प्रकार है : -

कार्तिक पूर्णिमा सवारी में नर नारायण भोजन

पर्यूषण महापर्व में सहभागिता

कार्तिक पूर्णिमा सवारी में नर नारायण भोजन

कार्तिक पूर्णिमा सवारी में नर नारायण भोजन

गौ सेवा

मोबाईल रक्तदान शिविर

वल्लभ ज्योति अवार्ड

सुविधा प्राप्त बच्चों द्वारा नाटक

|| श्री वीतरागाय नमः ||

SAVJSM

स्थापित : वि. सं० २०५८

# Shree Atma Vallabh Jain Seva Mandal

(Registered under Societies Act)

## KOLKATA

# सेवा


**Office :**
**22, Rabindra Sarani, FS-31, 1st Floor, Kolkata - 700 073**
**Mobile : 62911 25401, 98307 39748**
**Website : www.savjsm.org • Email : info@savjsm.in**

## ''कुछ झलकियां''

दिवाली पर बच्चों को नये वस्त्र वितरण

होली अल्प सुविधा प्राप्त बच्चों के साथ

स्वतंत्रता दिवस पर नाश्ता, वाहन चालको को

होली अल्प सुविधा प्राप्त बच्चों के साथ

होली भजन संध्या

Indoor Cricket Tournament

ICT - SAVJSMCL

SAVJSMCL

सबको प्यार SAVJSM सबकी सेवा

स्थापित : वि. सं० २०५८

## प्रार्थना

भावना दिन रात मेरी, सब सुखी संसार हो ।
सत्य संयम शील का, व्यवहार बारम्बार हो ॥

धर्म के विस्तार से, संसार का उद्धार हो ।
पाप का परित्याग हो, और पुण्य का संचार हो ॥

ज्ञान की सद्ज्योति से, अज्ञानतम का नाश हो ।
धर्म के सद्आचारण से, शान्ति का आभास हो ॥

शान्ति सुख आनन्द का, प्रत्येक घर में वास हो ।
वीर वाणी पर सभी संसार का विश्वास हो ॥

रोग भय और शोक, होवे दूर हे ! परमात्मा
ज्योति से परिपूर्ण होवे, सब जगत की आत्मा ॥